Raj Express (Indore), 14th July 2024, Page- 04

► स्टूडेंट्स की अब तक की सबसे बड़ी संख्या रही,एक को सर्वश्रेष्ठ प्रोजेक्ट पुरस्कार मिला

दीक्षांत समारोह: आईआईटी के इतिहास में पहली बार 673 स्टूडेंट्स को मिली डिग्रियां

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर का 12 वां दीक्षांत समारोह शनिवार को आयोजित किया गया। आईआईटी इंदौर के इतिहास का यह पहला अवसर रहा जब 673 स्टूडेंट्स के नाम डिग्री वितरण के दौरान लिए गए। डिग्री ग्रहण करने वाले स्टूडेंट्स की अब तक की सबसे बड़ी संख्या रही। इसमें 11 पीएचडी प्रोग्राम के 81 स्टूडेंट, 5 बीटेक प्रोग्राम के 334 स्टूडेंट, 9 एमटेक प्रोग्राम के 54 स्टूडेंट, 5 एमएस (रिसर्च) प्रोग्राम के 23 स्टूडेंट और 5 एमएससी प्रोग्राम के 97 स्टूडेंट्स शामिल है। आईआईएम इंदौर के साथ संयुक्त रुप से डेटा साइंस और मैनेजमेंट में एमएस के 84 स्टूडेंट्स का पहला बैच भी इस दीक्षांत समारोह में स्नातक हुआ।

13 स्टूडेंट को मिले पदक, एक को सर्वश्रेष्ठ प्रोजेक्ट पुरस्कार: स्वर्ण पदक (जो कि राष्ट्रपति पदक, बूटी फाउंडेशन पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ ऑल राउंडर और वीपीपी मेनन पदक हैं) के 4 स्टूडेंट्स, विभिन्न श्रेणियों में संस्थान के रजत पदक के लिए 9 स्टूडेंट्स और सर्वश्रेष्ठ बीटेक प्रोजेक्ट पुरस्कार के लिए एक स्टूडेंट को सम्मानित किया गया। समारोह में डॉ. समीर वी कामत, सचिव डीडीआरएंडडी और अध्यक्ष रक्षा अनुसंधान व विकास संगठन (डीआरडीओ) दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। समारोह की अध्यक्षता बीओजी के अध्यक्ष डॉ. के सिवन ने की। आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास एस. जोशी ने समासेह की मेजबानी की।

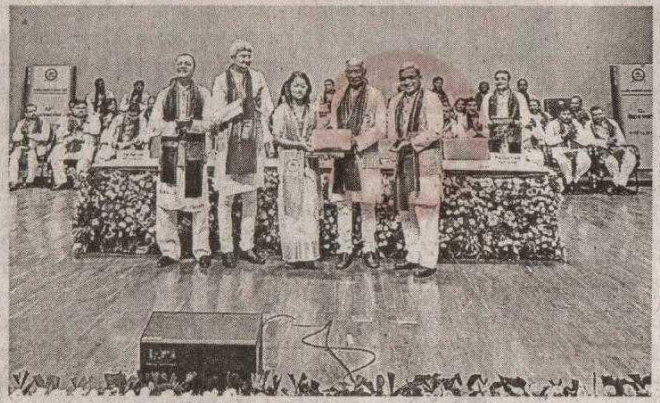

डू-इट-योर सेल्फ

उन्होंने कहा सीखने की हमारी हालिया अवधारणाएं, जैसे कि डू-इट-योर सेल्फ और प्रोजेक्ट-केंद्रित शिक्षा जिसमें पुराने कार्यशाला पाठ्यक्रमों के स्थान पर प्रथम वर्ष के इंजीनियरिंग छात्रों को मेकर स्पेस पाठ्यक्रम शामिल हैं। यह पाठ्यक्रम एकीकृत प्रोटोटाइप या उत्पाद विकास के साथ अवधारणा, डिजाइनिंग और विनिर्माण पर जोर देते हैं। मध्यप्रदेश के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों (एमपीजीईसी) के छात्रों और शिक्षकों के लिए अवसर पैदा करने के हमारे प्रयास इस साल सफल हुए। सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों के 23 मेधावी अंतिम वर्ष के स्नातक छात्रों ने अपने 8 वें सेमेस्टर के दौरान आईआईटी इंदौर परिसर में रहते हुए पाठ्यक्रम किए।

इन्हें मिला अवॉर्ड

- द प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया गोल्ड मेडल: मुकुल जैन
- इंस्टिट्यूट सिल्वर मेडल यूजी प्रोग्राम: वन्कायालापत्ती साई, वैंकटा सात्विक, दफ्तरी देव, अमित विक्रांत घावले, नित्या चौरसिया, जति सतीश कुमार
- इंस्टिट्यूट सिल्वर मेडल पीजी प्रोग्राम: रिषव शर्मा, कृषांगी कश्यप
- बेस्ट बीटीपी अवॉर्ड: सौरभ किचौलिया
- इंस्टिट्यूट गोल्ड मेडल, बेस्ट ऑल राउंडर: अभिनव यादव
- बूटी फाउंडेशन गोल्ड मेडल: कृषांगी कश्यप
- वीपीपी मेनन गोल्ड मेडल अवॉर्ड: कंचन, समाधिया

हम है एक युवा संस्थान

उन्होंने कहा यह समारोह आपके जीवन की यात्रा में खुशी का क्षण है, जहां आप वर्षों की कड़ी मेहनत, समर्पण और अटूट प्रतिबद्धता के साथ एक कदम पूरा करते हैं। मुझे यकीन है कि आप कई चुनौतीपूर्ण, प्रेरक और परिवर्तनकारी परिस्थितियों से गुजरे होंगे और उनसे निपटते हुए बहुत कुछ सीखा होगा। आपने गंभीरता से सोचना, कुछ नया करना, विपरीत परिस्थितियों में भी डटे रहना और दूसरों के साथ प्रभावी ढंग से सहयोग करना सीखा है। आपको अपने जीवन के नए प्रयासों को शुरू करते समय अपनी उपलब्धियों पर भरोसा होना चाहिए। उन्होंने कहा मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि आईआईटी इंदौर देश के इंजीनियरिंग संस्थानों में राष्ट्रीय रैंकिंग स्केल पर 14वें स्थान पर है और क्यूएस रैंकिंग में भारतीय संस्थानों में 11वें स्थान पर है। हम एक युवा संस्थान हैं और आने वाले वर्षों में अपनी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में सुधार करने का प्रयास करेंगे। शैक्षणिक का सवाल है, हमारे संस्थान में 2800 से अधिक स्टूडेंट और 210 से अधिक संकाय सदस्य हैं।